Subject – Hindi. **Lesson –2 दो कलाकार।** **class – 6th**

Worksheet

लिखित

1. अति लघु उत्तर लिखिए–
   (क) चित्रा की रुचि किसमें थी?
   (ख) अरुणा किन लोगों के बच्चों को पढ़ाया करती थी?
   (ग) तीन साल बाद अरुणा चित्रा से कहाँ मिली?
2. लघु उत्तर लिखिए–
   (क) चित्रा के लिए कैसी घटनाएँ कोई महत्त्व नहीं रखती थीं?
   (ख) पंद्रह दिन बाद जब अरुणा वापस आई तो उसकी नज़र किस तरह के चित्रों पर पड़ी?
   (ग) जिस दिन चित्रा को बाहर जाना था, उस दिन चित्रा को आने में क्यों देर हो गई?
3. दीर्घ उत्तर लिखिए–
   (क) चित्रा कैसे मशहूर हो गई?
   (ख) चित्रा और अरुणा के स्वभाव में क्या अंतर था?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

(क) आप अरुणा और चित्रा में से असली कलाकार किसे मानेंगे और क्यों?
(ख) आपके अंदर कौन–सी कला छिपी है और उस कला की प्रतिभा को निखारने के लिए आप क्या करेंगे?

अनुमान और कल्पना

(क) यदि अरुणा उन दोनों बच्चों की देखभाल नहीं करती, तो उन बच्चों के साथ क्या–क्या हो सकता था?
(ख) जिस चित्र ने चित्रा को इतना मशहूर बनाया, उसे देखकर आपके मन में कौन–कौन–से सवाल उठ रहे हैं?

भाषा ज्ञान — संज्ञा, संज्ञा के भेद, संयुक्त व द्वित्व व्यंजन

1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान तथा भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं; जैसे– राम, लड़का, हँसी।
   दिए गए अनुच्छेद में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए–
   "क्या ये बच्चे पाल रखे हैं तुमने!" फिर ज़रा हँसकर चित्रा बोली, "एक दिन तुम्हारे विद्यालय का चित्र बनाना होगा। लोगों को दिखाया करेंगे कि हमारी एक दोस्त थीं जो बस्ती के चौकीदारों, नौकरों, चपरासियों आदि के बच्चों को पढ़ा–पढ़ाकर ही अपने को भारी पंडिताइन और समाज–सेविका समझती थीं।"
2. संज्ञा के तीन भेद होते हैं–
   व्यक्तिवाचक संज्ञा – किसी विशेष प्राणी, स्थान, वस्तु का नाम; जैसे– विराट कोहली, दिल्ली, भारत।
   जातिवाचक संज्ञा – संपूर्ण जाति का बोध कराने वाले शब्द; जैसे– दादा–दादी, पशु–पक्षी, देश।
   भाववाचक संज्ञा – किसी प्राणी, स्थान, वस्तु आदि के गुण, दोष, भाव, अवस्था का बोध कराने वाले शब्द; जैसे– बुढ़ापा, बचपन, हरियाली।

o

दिए गए संज्ञा शब्दों के भेद में ✓ निशान लगाइए–

चित्रा	–	व्यक्तिवाचक संज्ञा	☐	जातिवाचक संज्ञा	☐	भाववाचक संज्ञा	☐
बिटिया	–	व्यक्तिवाचक संज्ञा	☐	जातिवाचक संज्ञा	☐	भाववाचक संज्ञा	☐
मुसकान	–	व्यक्तिवाचक संज्ञा	☐	जातिवाचक संज्ञा	☐	भाववाचक संज्ञा	☐
मौसी	–	व्यक्तिवाचक संज्ञा	☐	जातिवाचक संज्ञा	☐	भाववाचक संज्ञा	☐
अरुणा	–	व्यक्तिवाचक संज्ञा	☐	जातिवाचक संज्ञा	☐	भाववाचक संज्ञा	☐
सच्चाई	–	व्यक्तिवाचक संज्ञा	☐	जातिवाचक संज्ञा	☐	भाववाचक संज्ञा	☐

3. **खट्टा – खटास, अपना – अपनापन**, यहाँ **खटास** और **अपनापन** भाववाचक संज्ञाएँ हैं जो क्रमशः **खट्टा** और **अपना** शब्द से बनी हैं। अब आप कोष्ठक में दिए गए शब्दों को भाववाचक संज्ञा में परिवर्तित करके खाली जगह भरिए–

(क) मैं चली जाऊँगी तो तुम सारी दुनिया की ..... करने के लिए झंडा लेकर निकल पड़ना। (भला)

(ख) अरुणा को देखकर चित्रा को ..... मिली। (खुश)

(ग) जब वह भारत लौटी तो उसके चेहरे पर अनोखी ..... थी। (चमकना)

(घ) अरुणा की बात सुनकर चित्रा को ..... आ गई। (हँसना)

(ङ) अरुणा ने उन दो अनाथ बच्चों का ..... सँवारा। (बच्चा)

4. एक से अधिक व्यंजनों के मेल से बनने वाले व्यंजन **संयुक्त व्यंजन** कहलाते हैं; जैसे– क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।
जब एक ही व्यंजन का दो बार प्रयोग होता है, तो उसे **द्वित्व व्यंजन** कहते हैं; जैसे– त्त, च्च, स्स, क्क।

अब आप संयुक्त व्यंजन और द्वित्व व्यंजन के प्रयोग से बने चार-चार शब्द लिखिए–

संयुक्त व्यंजनों से बने शब्द – ....

द्वित्व व्यंजनों से बने शब्द – ....

रचनात्मक अभिव्यक्ति

परियोजना-निर्माण

☞ अरुणा ने अनाथ बच्चों को पढ़ाकर 'साक्षरता अभियान' में सहयोग दिया। अब आप ऐसी सूक्तियाँ तैयार कीजिए, जिससे लोगों में 'साक्षरता अभियान' के प्रति जागरूकता पैदा हो।

☞ चित्रा और अरुणा दोनों ही कलाकार थीं लेकिन दोनों की कला में क्या अंतर था? इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

☞ अलग-अलग क्षेत्र के कलाकारों के चित्र अपनी स्क्रैप-बुक में चिपकाइए तथा चित्र के साथ उनके नाम और वे किस क्षेत्र के कलाकार हैं? लिखिए।

ोध

☞ भारत के चार प्रसिद्ध चित्रकारों के नाम लिखिए। उनमें से किसी एक चित्रकार की उपलब्धियों के बारे में भी बताइए।

न

☞ अपने प्रिय कलाकार पर 150–180 शब्दों में एक निबंध लिखिए।

o

Answer key

❑ पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) अरुणा और चित्रा दोस्त थीं और वे होस्टल में साथ ही रहती थीं।

(ख) अरुणा चित्रा को स्टेशन तक छोड़ने इसलिए न आ सकी क्योंकि वह मृत औरत के दोनों बच्चों के पास गई थी।

(ग) अंत में चित्रा की आँखों में आँसू इसलिए आ गए क्योंकि उसे इस बात का एहसास हो गया था कि चित्र बनाना ही कला नहीं है बल्कि किसी के जीवन को सँवारना ही असली कला है।

लिखित

1. अति लघु उत्तर लिखिए–

(क) चित्रा की रुचि चित्र बनाने में थी।

(ख) अरुणा चौकीदारों, नौकरों व चपरासियों के बच्चों को पढ़ाया करती थी।

(ग) तीन साल बाद अरुणा चित्रा से दिल्ली में लगी चित्र प्रदर्शनी में मिली।

2. लघु उत्तर लिखिए–

(क) चित्रा को दुनिया से कोई मतलब नहीं था। दुनिया में कितनी ही बड़ी घटना घट जाए पर यदि उसमें उसके चित्र के लिए कोई विषय न छिपा हो, तो उसके लिए वह घटना कोई महत्त्व नहीं रखती थी।

(ख) पंद्रह दिन बाद जब अरुणा वापस आई तो उसकी नज़र चित्रा के उन नए तीन चित्रों पर पड़ी। जिसमें बाढ़ के वही दृश्य थे जो वह अपनी आँखों से देखकर आ रही थी।

(ग) जिस दिन चित्रा को बाहर जाना था, उस दिन उसने रास्ते में देखा कि एक गरीब औरत मरी पड़ी है और उसके दोनों बच्चे उसके पास बैठे बुरी तरह रो रहे हैं। उस दृश्य का रफ़ स्केच बनाने में चित्रा को आने में देर हो गई।

3. दीर्घ उत्तर लिखिए–

(क) विदेश जाकर चित्रा पूरी लगन और मेहनत से अपने काम में लग गई जिससे उसकी कला में और अधिक निखार आ गया। विदेश में उसके चित्रों की धूम मच गई। मृत औरत और दो अनाथ बच्चों के चित्र की तारीफ़ में तो अख़बारों के कॉलम-के-कॉलम भर गए। अनेक प्रतियोगिताओं में 'अनाथ' वाले चित्र को पहला इनाम मिला था। उस चित्र ने चित्रा को मशहूर कर दिया।

(ख) चित्रा और अरुणा के स्वभाव व सोच में बहुत अंतर था– चित्रा को दुनिया से कोई मतलब नहीं था। कितनी ही बड़ी घटना घट जाए पर यदि उसमें चित्रा के चित्र के लिए कोई विषय न हो तो वह घटना उसके लिए कोई महत्त्व नहीं रखती थी। हर पल हर जगह, हर चीज़ में वह अपने चित्रों के लिए मॉडल ही खोजा करती थी। जबकि अरुणा को गरीब बच्चों को पढ़ाने और उनकी मदद करने में रुचि थी। वह 'स्वयं सेवकों' के दल के साथ पीड़ित लोगों की सहायता करती। मृत माँ का तथा दो अनाथ बच्चों सजीव चित्र बनाकर चित्रा ने प्रसिद्धि हासिल की जबकि अरुणा ने उन्हीं दो अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करके उनकी ज़िंदगी सँवार दी।

❑ **पाठ से आगे** (पाठ से आगे के प्रश्नों को अध्यापक/अध्यापिका इच्छानुसार लिखित या मौखिक रूप में करा सकते हैं।)

आपकी सोच-समझ

(क) हम अरुणा को असली कलाकार मानेंगे क्योंकि उसने अनाथ बच्चों का पालन-पोषण कर उनका जीवन सँवारा।

(ख) बच्चों को अपनी समझ के अनुसार उत्तर देने के लिए प्रोत्सहित करेंगे।

अनुमान और कल्पना

(क) बच्चों को अपनी समझ से अनुमान लगाने और कल्पना कर उन बच्चों के विषय में बताने के लिए कहेंगे।

(ख) बच्चों को चित्र देखकर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। (पाठ्यक्रम में इस तरह के प्रश्न देने का उद्देश्य है कि बच्चों के अंदर जिज्ञासा उत्पन्न हो।)

❑ **भाषा ज्ञान**

1. "क्या ये बच्चे पाल रखे हैं तुमने!" फिर ज़रा हँसकर चित्रा बोली, "एक दिन तुम्हारे विद्यालय का चित्र बनाना होगा। लोगों को दिखाया करेंगे कि हमारी एक

o

दोस्त थीं जो बस्ती के चौकीदारों, नौकरों, चपरासियों आदि के बच्चों को पढ़ा-पढ़ाकर ही अपने को भारी पंडिताइन और समाज-सेविका समझती थीं।"

2. चित्रा – व्यक्तिवाचक संज्ञा
   मुसकान – भाववाचक संज्ञा
   अरुणा – व्यक्तिवाचक संज्ञा
   बिटिया – जातिवाचक संज्ञा
   मौसी – जातिवाचक संज्ञा
   सच्चाई – भाववाचक संज्ञा

3. (क) भलाई (ख) खुशी (ग) चमक
   (घ) हँसी (ङ) बचपन

4. संयुक्त व्यंजनों से बने शब्द – कक्षा, चित्रा, पत्र, ज्ञानी, श्रमिक
   द्वित्व व्यंजनों से बने शब्द – दिल्ली, बच्चा, रस्सी, भुलक्कड़, सच्चा

रचनात्मक अभिव्यक्ति

❑ परियोजना-निर्माण

- बच्चों को साक्षरता अभियान से संबंधित सूक्तियाँ लिखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे; जैसे– पढ़ो-पढ़ाओ, जीवन बनाओ। हम सब पढ़ें और साथ बढ़ें, जब पढ़ा-लिखा हो इनसान तभी होगा राष्ट्र महान।
- बच्चों को अरुणा और चित्रा की कला में अंतर बताते हुए इस विषय पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों को अलग-अलग प्रतिभावान कलाकारों के चित्र इंटरनेट से ढूँढ़कर स्क्रैप-बुक में चिपकाने तथा चित्र के साथ उनके नाम और वह किस क्षेत्र से संबंधित हैं लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। आवश्यकतानुार सहायता भी प्रदान कर सकते हैं।

❑ शोध

- बच्चों को इंटरनेट के माध्यम से भारत के चार प्रसिद्ध चित्रकारों के नाम लिखने तथा किसी एक चित्रकार की उपलब्धियों के बारे में शोध करने हेतु प्रोत्साहित करें। (शोध से संबंधित प्रश्नों का समावेश करने का उद्देश्य है बच्चों में ज्ञान की वृद्धि हो।)

❑ लेखन

- बच्चों को अपने प्रिय कलाकार पर एक निबंध लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।